जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 | वर्षः 36 | संख्याः 160 | प्रभात | अजमेर, गुरूवार 15 जनवरी, 2026 | आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बुधवार को बाडमेर के धोरीमन्ना उपखण्ड मुख्यालय पर विशाल आक्रोश रैली को संबोधित किया।

राजनीतिक लाभ के लिए सीमांकन प्रक्रिया का इस्तेमाल किया जा रहा है- पायलट

सचिन पायलट ने गुड़ामलानी में विशाल आक्रोश रैली को संबोधित किया

गुड़ामालानी, 14 जनवरी (कासं)। धोरीमन्ना उपखण्ड मुख्यालय पर आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार ने पूरे राजस्थान में पंचायतों को तोड़ने का काम किया है और कांग्रेस ने हमेशा जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार में आने पर कांग्रेस धोरीमन्ना व गुड़ामालानी को वापस बाड़मेर जिले में शामिल करेगी।

बाड़मेर और बालोतरा जिले की सीमाओं में बदलाव को लेकर पायलट ने कहा कि सीमाओं में तोडफ़ोड़ जनता की राय लिए बिना की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीमांकन की प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी रखने के बजाय, उसे राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे आम जनता में भ्रम और असंतोष बढ़ रहा है। हमारे वरिष्ठ नेता हेमाराम चौधरी इस मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, हम उनके साथ खड़े हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी आज सेवा तीर्थ में प्रवेश करेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। प्रधानमंत्री कार्यालय गुरुवार को साउथ ब्लॉक की बलुआ पत्थर की भव्य इमारत से निकलकर सैंट्रल विस्टा प्रोजैक्ट के तहत बने नए एक्ज़ीग्यूटिव कॉम्प्लैक्स ''सेवा तीर्थ'' में स्थानांतरित हो जा रहा है। यह कदम अतीत के स्थापत्य और कार्य संस्कृति से एक निर्णायक दूरी को दर्शाता है।

दशकों तक साउथ ब्लॉक सत्ता और पदानुक्रम का प्रतीक रहा। मोटी दीवारें, संकरे गलियारे और बंद कक्ष-यही सत्ता के संचालन की पहचान थे।

- सैंट्रल विस्टा प्रोजैक्ट के तहत बना ''सेवा तीर्थ'' भवन प्रधानमंत्री का नया कार्यालय है।

प्रवेश सीमित था, आवागमन व्यवस्थित था और निर्णय-प्रक्रिया भारी दरवाजों के पीछे सिमटी रहती थी। सेवा तीर्थ इस मॉडल से सुविचारित अलविदा का प्रतीक है।

नया प्रधानमंत्री कार्यालय खुले फ़्लोर डिज़ाइन पर आधारित है। बंद केबिनों के बजाय, अधिकारीअब साझा कार्यस्थलों में काम करेंगे, ताकि सहयोग और तेज़ समन्वय को बढ़ावा मिले। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, यह डिज़ाइन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सऊदी-अरब-पाकिस्तान-टर्की एक ''इस्लामिक नाटो'' संगठन बना रहे हैं?

इस गठबंधन का चिंतन कुछ चौंकाने वाला है, क्योंकि इसमें नाटो के संविधान की धारा पाँच की प्रतिध्वनि सुनाई देती है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। तुर्की, कथित तौर पर, सऊदी अरब-पाकिस्तान के बीच बन रहे एक सुरक्षा ढाँचे में शामिल होने को लेकर बातचीत कर रहा है। यह नया सुरक्षा ढांचा नाटो जैसा सामूहिक रक्षा व्यवस्था वाला संगठन होगा। प्रस्तावित समझौता कथित तौर पर नाटो के अनुच्छेद 5 के सिद्धांत जैसा है, जिसके तहत किसी एक सदस्य पर हमला सभी पर हमला माना जाता है। भले ही यह पहल अभी शुरुआती चरण में हो, लेकिन यह क्षेत्रीय सुरक्षा सोच में एक उल्लेखनीय बदलाव को दर्शाती है और इसने नई दिल्ली का ध्यान आकर्षित किया है।

भारत के लिए यह घटनाक्रम भविष्य के लिए चिंता का विषय है, हालांकि तत्काल रूप से अस्थिरता पैदा करने वाला नहीं है। किसी नए ''इस्लामिक नाटो'' के औपचारिक गठन में तो इसका महत्व कम है, किन्तु रणनीतिक संकेतों में और इसकी

- धारा पाँच के अनुसार, नाटो के किसी सदस्य पर हमला, नाटो के सभी सदस्यों पर हमला माना जाएगा और सभी सदस्य मिलकर इस हमले का जवाब देंगे।
- सऊदी अरब इस ''इस्लामिक नाटो'' के जरिए वॉशिंगटन पर अपनी निर्भरता से आगे बढ़ कर समानान्तर विकल्प विकसित करना चाहता है।
- सऊदी अरब सदा पाकिस्तान से मैत्री व भारत से गहराते इकॉनॉमिक संबंधों के बीच संतुलन बैठाता रहा है। सऊदी अरब, भारत को अपने ऑयल का बड़ा खरीददार व अपनी पूँजी निवेश करने का उपयुक्त स्थान मानता है।
- टर्की का भी ''इस्लामिक नाटो'' से जुड़ना जरूर चिंता का विषय है, क्योंकि टर्की ''नाटो'' का पुराना सदस्य है, जिसे आधुनिक हथियारों व ड्रोन युद्ध का काफी अनुभव है। अतः टर्की का इस ''इस्लामिक गठबंधन'' से जुड़ना व पाकिस्तान के सैनिक सैटअप में सहयोग करना, जरूर दिक्कतें पैदा कर सकता है।

सम्मिलित सैन्य क्षमताओं में ज्यादा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन ने 2025 में 1.2 ट्रिलियन डॉलर का ट्रेड सरप्लस घोषित किया

इस आंकड़ें से सभी देश स्तब्ध हैं, विशेषकर अमेरिका, क्योंकि ट्रंप ने चीन पर भारी टैरिफ लगाकर, चीन को घुटने पर लाने का प्रयास किया था

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की तरफ से पूरी कोशिशों के बावजूद, 2025 में चीन ने अपनी औद्योगिक ताकत से न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया को पछाड़ दिया है।

चीनी व्यापार अधिकारियों ने 2025 में 1.2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक के अभूतपूर्व ट्रेड सरप्लस की घोषणा की है। इससे यह साफ हो गया है कि चीन की वैश्विक बाजारों पर पकड़ और मजबूत हो गई है। लेकिन इसी के साथ दूसरे देशों की चिंता भी बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें अपनी आर्थिक सुरक्षा पर खतरा दिख रहा है और उनके उद्योग सस्ते चीनी निर्यात से दबाव में आ रहे हैं।

ट्रम्प के टैरिफ युद्ध के बावजूद, चीन के कुल आयात की तुलना में उसका ट्रेड सरप्लस ऐसा है, जैसे बॉक्सिंग में माइक टायसन का सीधा घूंसा डॉनल्ड ट्रम्प के चेहरे पर पड़ा हो। ट्रम्प ने चीनी निर्यात पर रोक लगाकर, चीन को अमेरिकी हाई-ट्रैक्नॉलजी उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध जैसे कदम उठाए थे, ताकि चीन की आर्थिक ताकत

- चीन के अमेरिका को निर्यात में 20 प्रतिशत की गिरावट जरूर आयी, पर, चीन के अन्य देशों के निर्यात में भारी वृद्धि हुई, उदाहरण के लिए, इलैक्ट्रिक कारों के निर्यात में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।
- चीन ने पलटवार में अमेरिका को ''रेअर अर्थ खनिज'' की सप्लाई रोक कर ट्रंप को वाणिज्यिक युद्ध में आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया।
- चीन की वाणिज्यिक सफलता का राज, उसका अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में ''मरकनटाइल सिद्धांत'' का अनुसरण करना है।
- ''मरकनटाइल सिद्धांत'' के अनुसार, आप अपने माल की कीमत नफे के कारण नहीं तय करते थे। आप बिक्री की दर, इतनी कम रखते हो कि माल बिके। इससे माल विश्व भर में फैल जाता है तथा अपना मार्केट बना लेता है। सरकार उद्योग के लिए भूमि उपलब्ध कराने समय, केवल उद्योगपति से यह ही पूछती है, अपना माल निर्यात करोड़ों में होगा। यह ही एक सवाल, बैंकों व सरकार द्वारा इण्डस्ट्री को ऋण देते समय पूछा जाता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.एम.एस. अस्पताल के डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड की एक और रिपोर्ट को हाई कोर्ट ने अस्वीकार किया

नीट यूजी-2025 की परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी रमन खण्डेलवाल की दिव्यांगता प्रतिशत को अधिक बताते हुए एस.एम.एस. डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड ने उन्हें डॉक्टरी की पढ़ाई करने व प्रैक्टिस करने से वंचित कर दिया था।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 14 जनवरी। एक दिव्यांग अभ्यर्थी का अवैज्ञानिक, अनियमित और मनमाने तरीके से मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने का एक और मामला सामने आया है, जिसमें फिर से सवाई मान सिंह (एस.एम.एस.) अस्पताल के डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड के अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

दरअसल, रमन खण्डेलवाल, जिन्होंने नीट यूजी-2025 की परीक्षा में दिव्यांगजन के लिए आरक्षित श्रेणी में स्थान पाने के लिए उपयुक्त अंक हासिल किए थे, लेकिन उनकी उम्मीदवारी इस कारण रद्द कर दी गई, क्योंकि नीट यूजी के लिए गठित मेडिकल बोर्ड ने अपने

- हाई कोर्ट की खण्डपीठ के आदेश के बाद रमन खण्डेलवाल की दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में पुनः जांच हुई और पाया गया कि वह डॉक्टरी पढ़ने व प्रैक्टिस करने के लिए उपयुक्त है।
- पिछले कुछ महिनों में यह दूसरी बार है कि एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट अदालत में स्वीकार नहीं हुई है, और उसे अवैज्ञानिक और अनियमित बताया गया है, जो प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीयों को ईरान छोड़ने की सलाह

नयी दिल्ली, 14 जनवरी। भारत ने ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों और सरकार की कार्रवाई में मरने वाले लोगों की बढ़ ती संख्या के बीच, बुधवार को ईरान में मौजूद अपने नागरिकों को जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी है और तेहरान स्थित दूतावास में संपर्क करने के लिए हेल्पलाइन नम्बर जारी किये हैं।

- भारत के विदेश मंत्रालय ने ईरान में रह रहे भारतीयों के लिए एडवाइज़री जारी की तथा कुछ हैल्पलाइन नम्बर भी जारी किए हैं।

यह परामर्श पांच जनवरी को जारी पूर्व चेतावनी के बाद जारी किया गया है। दूतावास ने आपात स्थिति के लिए हेल्पलाइन नम्बर भी जारी किये हैं। लोग दूतावास से मोबाइल नम्बर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति मुर्मू 16 जनवरी को जयुपर आएंगी

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 16 जनवरी को एक दिवसीय राजस्थान दौरे पर जयपुर आएंगी। राष्ट्रपति का यह संक्षिप्त, लेकिन महत्वपूर्ण दौरा धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष माना जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति दोपहर 1:40 बजे जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचेंगी।

एयरपोर्ट से वे सड़क मार्ग के जरिए दोपहर 2:10 बजे सिविल लाइंस स्थित लोक भवन पहुंचेंगी, जहां उनका अल्प

- वे जयपुर के पास नींदड में आयोजित हनुमान महायज्ञ में भाग लेंगी।

विश्राम एवं अन्य औपचारिक कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शाम 3:50 बजे लोक भवन से प्रस्थान कर शाम 4:20 बजे सीकर रोड स्थित नींदड़ हाउसिंग स्कीम, हरमाड़ा पहुंचेंगी।

यहां वे रामानंद मिशन की ओर से आयोजित1008 कुंडीय हनुमान महायज्ञ में भाग लेंगी। इस धार्मिक आयोजन का आयोजन तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य के सानिध्य में किया जा रहा है। महायज्ञ के साथ-साथ श्रीराम कथा का भी आयोजन चल रहा है, जिसमें देशभर से श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

राष्ट्रपति का जयपुर प्रवास लगभग चार घंटे का रहेगा। कार्यक्रम में सहभागिता के बाद वे शाम को पुनः जयपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगी और वहां से विशेष विमान द्वारा दिल्ली लौट जाएंगी। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। एयरपोर्ट से लेकर कार्यक्रम स्थल तक विशेष सुरक्षा व्यवस्था रहेगी, वहीं यातायात को लेकर भी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने पतंग उड़ाई, जल महल पर पतंग उत्सव का शुभारंभ किया

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर आधारित पतंगों की प्रदर्शनी भी देखी

जयपुर, 14 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मकर संक्रांति के पर्व पर जल महल की पाल पर पतंग उत्सव (काइट फेस्टिवल) का शुभारंभ किया और इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं भी पतंग उड़ाई। मुख्यमंत्री ने इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर आधारित पतंगों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा लोक-कलाकारों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन भी किया।

इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति के पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति एवं परंपरा का प्रतीक है। पतंग महोत्सव जैसे आयोजन प्रदेश की लोक संस्कृति, रचनात्मकता एवं सामाजिक चेतना को मजबूती देने के साथ ही, पर्यटन को भी बढ़ावा देते हैं।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर इस वर्ष से राज्य के सभी संभाग मुख्यालय तथा जैसलमेर व माउण्ट आबू में भी पतंग उत्सव का आयोजन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशों पर इस वर्ष राज्य के समस्त सातों संभागों एवं जैसलमेर व माउंटआबू में पतंग उत्सव का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में जलमहल की पाल पर पतंग उत्सव आयोजित किया गया। इसमें रंग-बिरंगी पतंगों, पारंपरिक उल्लास एवं देशी-विदेशी पर्यटकों का संगम दिखाई दिया। समारोह में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, विधायक बालमुकुंदाचार्य, पर्यटन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़ सहित, अन्य अधिकारी, देशी-विदेशी पर्यटक और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

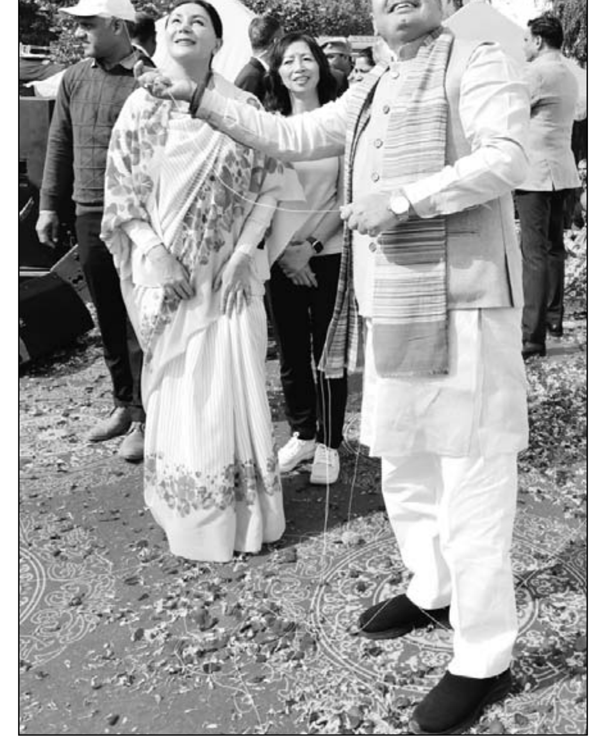

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मकर संक्रांति के पर्व पर जल महल की पाल पर पतंग उत्सव का शुभारंभ किया।

माघ मेले में लगातार दूसरे दिन आग लगी

प्रयागराज, 14 जनवरी। माघ मेला के सेक्टर 4 तुलसी मार्ग स्थित बड़े ब्रह्म छोटे ब्रह्म आश्रम में बुधवार की शाम अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिसमें आधे दर्जन टेंट जलकर राख हो गए। इसमें रखा सामान व 20,000 रुपये नकदी रखा था।

आश्रम के संचालक कमलेश्वर नाथ पांडेय के मुताबिक, इस आश्रम में करीब दर्जन भर से अधिक लोग

- आधा दर्जन टैंट जल गए, मंगलवार को भी आग लगी थी इसमें तकरीबन एक लाख रु. व कुछ सामान जल गया।

थे, जो पूजा में व्यस्त थे।

इसी दौरान टेंट के पीछे से आज भड़की, सभी लोग बालू और पानी आग पर फेंकने लगे। इसी से कुछ दूर स्थित कल्पवासी फायर स्टेशन के दमकल कर्मियों की नजर उस पर पड़ी। आनन-फानन में मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

इससे पहले मंगलवार को भी माघ मेले में आग लगने की सूचना मिली थी।

काली मार्ग सेक्टर पांच स्थित रामनाम एवं मानस प्रचार संघ के शिविर में अचानक आग लग गई थी। इससे श्रद्धालुओं में अफरातफरी मच गई थी।